

हजरती की
संख्या :-
मामले की सारि
और स्वरूप
रजिस्ट्री की
और अन्य
और प्राप्त
तावान ।
न0 दस्तावेज
दस्तावेज की ।
मूल्य
रजिस्ट्री फीस
फीस नकल
शर्तों की संख्या
फीस अनुवाद
फीस कमीशन

Shri. Dhanraj Singh
Khanpur
Dist. Kaithi

प्राप्त
दिनांक

मेरे पिता का नाम श्री भी जगन्नाथ राय का है। रजि. नं. 856987
जिस दिनांक दिनांक उद्देश्य का है।

4/6/90

जो कि मेरी आयु इस समय लगभग 71 साल की हो चुकी है।
इस जिले की शाखा कार्यालय का कोई गैर-रजि. नहीं कि कुछ नकल और
किसे जगह ब्यापार जगहों पर पकड़ कर लुटारि ने एक वसीयत
नामा कहल भी कांशी राय जी की निशान सिंह करी रजि. नं. 856987
दिना. मिति 26/8/74 के हक में तहरीर ली है। लेकिन भी कांशी राय
मेरे पर को छोड़ कर दूसरी जगह चला गया है। और मेरी
जैसा नहीं करता में आइल. उस के नाम परीया नहीं सकल
पाहल. और ब्याकका वसीयत मजदूर को जन्मभूत करता है
और जदीद वसीयत तहरीर करता है। कि जिजालि नयेहा सलत
न सकाते अकल होत व हुस जगह सिद किला निरी पकाद
न कहकोव के फज्जिये तहरीर ला वसीयत करता और सिद
देता है कि काद कलात मे मेरी कुलहा जयदाद मजदूर
व मेरे मजदूर हर किरान जो भी इस समय मेरी है
या आइल. लोग का कहि मालिक भी राग नाव उन
भी कांशी राय करी रजि. नं. 856987 दिना. मिति 26/8/74
निरी शरत के मेरी जयदाद लाने किता से कोई
फेराका न होत। और कोई शरत नयेहा होत तो
नद भूत होत। और अकल के मेरा फल न होत।
नाम सुदी मजदूर भी काद कलात मे लिल किता उस

संख्या

इन्दराजी
संख्या :-
मामले की
और सबूत
रजिस्ट्री व
और अन
और प्राप्त
तावान ।

0 दस्तावे

तावेज व

शी प

कल

नी :

नुव

री

Nº 856989

Himachal Government Judicial Paper

मजिस्ट्रेट ऑफ द जिले नं. १००, पेशिया
का कलाम नं. १०० के माह १००, भी नं. १००
को नं. १०० से कोई खोज न किया। अतः
यह पद किताब करीब पेशिया नाम के
अदालत नं. १०० के साथ पं. का नं. १००/१००

जाह
श्री देवेंद्र सिंह उपाध्याय ए.पी.
कालकी नं. १००
कल वंश

बिरवा वंश
कल
द्वारा

जाह
श्री देवेंद्र सिंह उपाध्याय ए.पी.
कल वंश नं. १००

कल

